Total no. of printed pages-07

Class -VIII
Annual Examination (2023-24)
Subject – Hindi
Marking Scheme & Solution
Set- A1/A2

प्र.सं.सैट-A1	प्र.सं.सैट-A2	प्रश्न प्रकार	अंक विभाजन	कुल अंक 60
1.	3.	**अनुच्छेद लेखन-** विषय प्रतिपादन, अभिव्यक्ति, भाषिक शुद्धता।	1x5	5
2.	4.	**पत्र लेखन** - प्रारूप, विषयवस्तु, भाषा|	1x5	5
3.	2.	क) ii) कालवाची क्रियाविशेषण ख) i) समुच्चयबोधक	1 1	2
4.	5.	क) iii) प्रार्थिनी ख) iv) दवाइयाँ ग) ii) निश्चिंत घ) iii) माधुर्य ङ) iv) आतिथ्य च) ii) जल, प्राण छ) iv) पृथ्वी, बहाव	1 1 1 1 1 1 1	8

		ज) ii) संदेहवाचक	1	
5.	6.	**निर्देशानुसार कीजिए-** क) अध- अधजला, अधमरा, अधपका कु- कुचाल, कुढंगा, कुदिन ख) ता- सुंदरता, योग्यता गर- जादूगर, बाज़ीगर ग) कंधे से कंधा मिलाकर चलना- मिलजुलकर काम करना एक आँख न भाना- ज़रा भी अच्छा न लगना (वाक्य- छात्र अनुसार) घ) पक्षी- खग, विहग, नभचर, द्विज पवित्र- शुचि, निर्मल, पावन, अकलुष ङ) एकैक- एक + एक प्रत्येक- प्रति + एक नाविक- नौ + इक च) चक्रधर- चक्र को धारण किया है जिसने अर्थात् विष्णु (बहुव्रीहि समास) बाअदब- अदब के साथ (अव्ययीभाव समास) पाप-पुण्य- पाप तथा पुण्य (द्वंद्व)	1 1 2 2 2 2 2	10
6.	9.	1. ii) पहाड़ की चोटी 2. iii) विश्वास 3. ii) पृथ्वी	1 1 1	3

7.	10.	**1.** ii) दीवानों की हस्ती 2. i) बस की यात्रा 3. i) कामतानाथ	1 1 1	3
8.	7.	क) उन जंजीरों को तोड़ने का जिनमें वे जकडे हुए हैं, कोई-न-कोई तरीका लोग निकाल ही लेते है.. लेखक के इस कथन से हम सहमत हैं क्योंकि मनुष्य स्वभावानुसार अधिक समय तक बंधनों में नहीं रह सकते। समाज द्वारा बनाई गई रूढ़ियाँ अपनी सीमाओं को लाँघने लगे तो समाज में इसके विरूद्ध एक क्रांति अवश्य जन्म लेती है। जो इन रूढ़ियों के बंधनों को तोड़ डालती है। ठीक वैसे ही तमिलनाडु के पुडुकोट्टई गाँव में हुआ है। महिलाओं ने अपनी स्वाधीनता व आज़ादी के लिए साइकिल चलाना आरंभ किया और वह आत्मनिर्भर हो गई| ख) लेखक ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों का वर्णन करते हुए कहा है कि उसने धोखा भी खाया है परंतु बहुत कम स्थलों पर विश्वासघात नाम की चीज मिलती है। पर उसका मानना है कि अगर वो इन धोखों को याद रखेगा तो उसके लिए विश्वास करना बेहद कष्टकारी होगा और ऐसी घटनाएँ भी बहुत कम नहीं हैं जब लोगों ने अकारण उनकी सहायता की है, निराश मन को ढाँढस दिया है और हिम्मत बँधाई है। टिकट बाबू द्वारा बचे हुए पैसे लेखक को लौटाना, बस कंडक्टर द्वारा दूसरी बस व बच्चों के लिए दूध लाना आदि ऐसी घटनाएँ हैं। इसलिए उसे विश्वास है कि समाज में मानवता, प्रेम, आपसी सहयोग समाप्त नहीं हो	4x3	12

		सकते। ग) दो और दो जोडकर स्थिति को समझना - अर्थात् परिस्थिति को भाँप जाना। लोटा गिरने पर गली में मचे शोर को सुनकर आँगन में एकत्र हो गई। एक अंग्रेज को भीगे हुए तथा पैर सहलाते हुए देखकर लाला समझ गए कि स्थिति गंभीर है और लोटा अंग्रेज को लगा है। इस समय उनका चुप रहना ही ठीक है। घ) घायल होने के बाद भी बाज ने यह कहा कि - "मुझे कोई शिकायत नहीं है।" उसने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह किसी भी कीमत पर समझौतावादी जीवन शैली पसंद नहीं करता था। वह अपने अधिकारों के लिए लड़ने में विश्वास रखता था। उसने अपनी ज़िंदगी को भरपूर भोगा। वह असीम आकाश में जी भरकर उड़ान भर चुका था। जब तक उसके शरीर में ताकत रही तब तक ऐसा कोई सुख नहीं बचा जिसे उसने न भोगा हो। वह अपने जीवन से पूर्णतः संतुष्ट था। दूसरे भाग का उत्तर छात्र अपने मतानुसार करेंगे। ङ) इस पंक्ति के माध्यम से लेखक ने कारीगरों की व्यथा की ओर संकेत किया है कि मशीनों के आगमन के साथ कारीगरों के हाथ से काम-धंधा छिन गया। मानो उनके हाथ ही कट गए हों। उन कारीगरों का रोजगार इन पैतृक काम धन्धों से ही चलता था। उसके अलावा उन्होंने कभी कुछ नहीं सीखा था। वे पीढ़ी दर पीढ़ी अपनी इस कला को बढ़ाते चले आ रहे हैं और साथ में रोज़ी रोटी भी चला रहें हैं। परन्तु मशीनी युग ने जहाँ उनकी रोज़ी रोटी पर वार किया है। मशीनों ने लोगों को बेरोज़गार बना दिया।		

		च) बस की जर्जर अवस्था से लेखक को ऐसा महसूस हो रहा था कि बस की स्टीयरिंग कहीं भी टूट सकती है तथा ब्रेक फेल हो सकता है। ऐसे में लेखक को डर लग रहा था कि कहीं उसकी बस किसी पेड़ से टकरा न जाए। एक पेड़ निकल जाने पर वह दूसरे पेड़ का इंतज़ार करता था कि बस कहीं इस पेड़ से न टकरा जाए। यही वजह है कि लेखक को हर पेड़ अपना दुश्मन लग रहा था।		
9.	8.	क) कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए इसलिए कहा है क्योंकि जिस प्रकार डाकिए संदेश लाने का काम करते हैं, उसी प्रकार पक्षी और बादल भगवान का संदेश हम तक पहुँचाते हैं। उनके लाए संदेश को हम भले ही न समझ पाए, पर पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ उसे भली प्रकार पढ़-समझ लेतें हैं। जिस तरह बादल और पक्षी दूसरे देश में जाकर भी भेदभाव नहीं करते उसी तरह हमें भी आचरण करना चाहिए। ख) जब सुदामा दीन-हीन अवस्था में कृष्ण के पास पहुँचे तो कृष्ण उन्हें देखकर व्यथित हो उठे। श्रीकृष्ण ने सुदामा के आगमन पर उनके पैरों को धोने के लिए परात में पानी मँगवाया परन्तु सुदामा की दुर्दशा देखकर श्रीकृष्ण को इतना कष्ट हुआ कि वे स्वयं रो पड़े और उनके आँसुओं से ही सुदामा के पैर धुल गए। अर्थात् परात में लाया गया जल व्यर्थ हो गया। ग) 'तैं ही पूत अनोखी जायौ' - पंक्तियों में ग्वालन के मन में यशोदा के लिए कृष्ण जैसा पुत्र पाने पर ईर्ष्या की भावना व कृष्ण के उनका माखन चुराने पर क्रोध के भाव मुखरित हो रहे हैं। इसलिए वह यशोदा माता को उलाहना दे रही हैं।	2+2	4

10.	11.	i) ग) कमज़ोर लोगों की ii) क) निंदा करने को iii) घ) कमज़ोर और तुच्छ व्यक्ति का iv) घ) ख-ग दोनों **अथवा** i) ग) मक्खन- रोटी ii) ख) कृष्ण- बलराम iii) ख) यशोदा को iv) घ) चिरंजीवी रहने का	1 1 1 1	4
11.	1.	**गद्यांश-** क) भारत बहुत बीमार था, तन और मन दोनों से जबकि लड़ाई में कुछ लोग बहुत फूले-फले थे, दूसरों पर बोझ चरम सीमा तक पहुँच गया था और इसकी भयानक स्मृति दिलाने के लिए अकाल पड़ा, दूर-दूर तक विस्तृत अकाल जिसका प्रभाव बंगाल और पूर्वी तथा दक्षिणी भारत पर पड़ा| ब्रिटिश शासन के पिछले 170 वर्षों में यह सबसे बड़ा और विनाशकारी था| ख) सन् 1942 के दंगों में पुलिस और सेना की गोलीबारी से मारे गए और घायल हुए लोगों की संख्या के अनुमानित सरकारी आँकड़े के अनुसार 1,028 मरे और 3,200 घायल हुए जनता के अंदाज़ के अनुसार मृतकों की संख्या 25,000 कही जाती है|	2+1+1	4

		ग) अकाल की तुलना 1766 ई. से 1770 ई. के दौरान बंगाल और बिहार के उन भयंकर अकालों से की जा सकती है जो ब्रिटिश शासन की स्थापना के आरंभिक परिणाम थे| इसके बाद महामारी फैली, विशेषकर हैज़ा और मलेरिया वह दूसरे सूबों में भी फैल गई और आज भी हज़ारों की संख्या में लोग उसके शिकार हो रहे हैं|	

PH